



दी नैक्स पोस्ट



साप्ताहिक

7

3

गोरखपुर में राप्ती किनारे बनेगा
1303 करोड़ का रिवर फ्रंट

5

बहू ने ससुर को मार डाला

8

संन्यास पर विराट कोहली का छलका दर्द

UPHIN/2023/90814

वर्ष: 04, अंक: 06

पृष्ठ संख्या: 8

मूल्य: 1.00 रु.

सोमवार 03 अगस्त, 2026

अग्निवीर भर्ती रैली 2026

यहां देखें पूरी लिस्ट -



मेरठ, संवाददाता । एआरओ की अग्निवीर भर्ती रैली 17 अगस्त से 9 सितंबर तक सहारनपुर में होगी। मेरठ समेत 13 जिलों के सीआई पास अभ्यर्थी इसमें भाग लेंगे। मेरठ में सेना भर्ती कार्यालय (एआरओ) मेरठ की ओर से 17 अगस्त से नौ सितंबर तक डॉ. भीमराव अंबेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम सहारनपुर में अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर टेक्निकल और अग्निवीर ट्रेड्समैन (8वीं और 10वीं पास) श्रेणियों के लिए अग्निवीर भर्ती रैली का आयोजन किया जाएगा। अग्निवीर क्लर्क-एसकेटी के आवेदक सात और आठ अक्टूबर को बीईजी एंड सेंटर रुड़की में भर्ती रैली में भाग लेंगे। जिन आवेदकों ने ऑनलाइन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीईई) उत्तीर्ण की है, वे रैली में भाग लेने के पात्र होंगे। सेना भर्ती कार्यालय मेरठ के निदेशक कर्नल सत्यजीत बेबले के अनुसार, यह रैली एआरओ मेरठ के अधिकार क्षेत्र में जाने वाले 13 जिलों अमरोहा, बागपत, बिजनौर, बुलंदशहर, गौतम बुद्ध नगर, गाजियाबाद, हापुड, मेरठ, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, रामपुर, सहारनपुर और शामली के उम्मीदवारों के लिए आयोजित की जाएगी।

राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद परीक्षा संशोधन बिल अब कानून बना

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 को मंजूरी दे दी है, जिसके बाद यह अब कानून बन गया है।

नई दिल्ली, एजेंसी। पेपर लीक पर शिकंजा कसने के लिए संसद द्वारा पारित सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिल गई है। विपक्षी दलों के वॉकआउट के बीच संसद के दोनों सदनों से पारित हुआ यह कानून अब देशभर में लागू हो गया है। यह नया कानून पेपर लीक रोकने और सरकारी व प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए है। इसका उल्लंघन करने वालों को 10 साल की सजा और 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 को राज्यसभा ने गुरुवार को ध्वनि मत से पारित कर दिया। लोकसभा ने इस विधेयक को एक दिन पहले ही पारित कर दिया था। जिस पर अब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिल गई है। केंद्र सरकार के अनुसार, इस नए संशोधन का



मुख्य उद्देश्य सरकारी और प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता बनाए रखना और लाखों युवाओं के भविष्य व हितों की सुरक्षा करना है।

10 साल की सजा और 10 करोड़ का जुर्माना

संशोधित कानून के तहत सार्वजनिक परीक्षाओं में धांधली, पेपर लीक करने या अनुचित साधनों (बीमंजपदह) का इस्तेमाल करने के दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों को पांच से दस साल तक की कैद के साथ-साथ 50 लाख रुपये तक का जुर्माना भी देना होगा। वहीं, पेपर लीक से जुड़े संगठित गिरोहों या

सिंडिकेट पर शिकंजा कसते हुए कानून में कम से कम 7 साल की कैद और कम से कम 10 करोड़ के जुर्माने का कड़ा प्रावधान किया गया है। संसद में विधेयक पारित होने के तुरंत बाद पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक वीडियो संदेश साझा किया, जिसमें उन्होंने कहा कि पेपर लीक के खिलाफ कड़ा कानून बनाने का महत्वपूर्ण कार्य पूरा हो गया है।

छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ न कर सके माफिया- पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार पेपर लीक और परीक्षा में होने वाली धांधली को रोकने के लिए कदम उठा रही है, और नवीनतम तकनीक के उपयोग से परीक्षा प्रणाली को मजबूत करना अनिवार्य हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है कि कोई भी पेपर लीक माफिया छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ न कर सके।

डूबीं 3 चचेरी बहनें, मौत

गोरखपुर, संवाददाता। जानकारी के मुताबिक शुक्रवार शाम को तीनों किशोरियां ड्रेन के पास गई थीं। इसी दौरान पैर फिसलने से तीनों गहरे पानी में डूब गईं। हादसे की खबर मिलते ही गांव वालों की भीड़ मौके पर जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और गोताखोरों ने तलाश अभियान शुरू किया। शनिवार सुबह तक 2 किशोरियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के दुबौली गांव में शुक्रवार शाम एक हृदयविदारक हादसा हो गया। गांव की 3 किशोरियां पटरो बुजुर्ग गांव के पास ड्रेन में डूब गईं। इनमें दो सगी और एक चचेरी बहनें शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक शुक्रवार शाम को तीनों किशोरियां ड्रेन के पास गई थीं।

हादसे की खबर मिलते ही गांव वालों की भीड़ मौके पर जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और गोताखोरों ने तलाश अभियान शुरू किया। शनिवार सुबह तक 2 किशोरियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीम तीसरी बच्ची की तलाश में जुटी है। घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसर गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। स्थानीय प्रशासन के अधिकारी मौके पर कैंप कर रहे हैं और बचाव अभियान की निगरानी कर रहे हैं। ड्रेन में तेज बहाव के कारण तलाश में कठिनाई आ रही है।

जेपीएनआईसी के संचालन के लिए निकलेगा ग्लोबल टेंडर, निजी कंपनी करेगी मरम्मत और संचालन

लखनऊ, संवाददाता। गोमती नगर स्थित जय प्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय सेंटर के संचालन के लिए वैश्विक निविदा जारी की जाएगी। चयनित निजी कंपनी अपने खर्च पर मरम्मत कर 30 वर्ष तक संचालन करेगी और प्राधिकरण को निर्धारित राशि देगी। परियोजना वर्षों से अधूरी और बंद पड़ी है, जिसे फिर से शुरू करने की तैयारी की जा रही है। समाजवादी चिंतक जय प्रकाश नारायण के नाम पर गोमती नगर में बने जय प्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय सेंटर (जेपीएनआईसी) का संचालन एलडीए ठेके पर देगा। इसके लिए ग्लोबल टेंडर निकाला जाएगा। जो कंपनी इसे लेगी वही मरम्मत का काम अपने खर्च पर कराएगी। संचालन के एवज में एलडीए को भी तय राशि देगी। गोमती नगर में एलडीए ऑफिस के निकट करीब 20 एकड़ में बने जेपीएनआईसी का निर्माण साल 2013 में शुरू हुआ और साल 2017 में निर्माण पूरा होने से पहले ही इसका काम बंद हो गया।

कांवड़ मेले में होगी श्रद्धालुओं की डिजिटल सुरक्षा पहली बार साइबर कमांडो संभालेंगे कमान

संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड में पहली बार किसी बड़े धार्मिक आयोजन की साइबर सुरक्षा के लिए प्रशिक्षित साइबर कमांडो तैनात किए गए हैं। कांवड़ मेला-2026 के दौरान लाखों श्रद्धालुओं की डिजिटल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अत्याधुनिक तकनीक आधारित साइबर सुरक्षा व्यवस्था विकसित की गई है। इसे आगामी महाकुंभ-2027 की तैयारियों की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। देशभर से आए 31 प्रशिक्षित

साइबर कमांडो शुक्रवार को पटेल भवन में कांवड़ मेला ड्यूटी पर नियुक्त साइबर कमांडो की विशेष ब्रीफिंग आयोजित की गई। हरिद्वार में तैनात किए गए इन प्रशिक्षित कमांडो को साइबर सुरक्षा, डिजिटल निगरानी और रियल-टाइम इंटेलिजेंस के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान बताया गया कि कांवड़ मेले में पहली बार इस स्तर की तकनीकी निगरानी व्यवस्था लागू की जा रही है। ● ● ●

पेपर लीक और शिक्षा घोटालों पर 8 अगस्त को प्रयागराज में छात्रों से संवाद करेंगे राहुल गांधी



छात्रों की गुंज पेपर लीक, शिक्षा घोटालों पर 8 अगस्त को छात्र संवाद करेंगे राहुल

नीट और सीबीएसई घटनाक्रम को लेकर फिर देशभर कि राजनीति गर्म होने वाली है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी 8 अगस्त को प्रयागराज के केपी ग्राउंड में छात्र संवाद कार्यक्रम को संबोधित करेंगे।

प्रयागराज, संवाददाता। नीट, सीबीएसई, पेपर लीक और प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं जैसे मुद्दों को लेकर कांग्रेस सांसद एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी 8 अगस्त को प्रयागराज के केपी ग्राउंड में छात्रों की गुंज छात्र संवाद कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। इसमें पूर्वांचल के कई जिलों के छात्र शामिल होंगे। ● ● ●

3 दिन पहले की थी वारदात-पुलिस मुठभेड़ में बदमाश के पैर में गोली

गोरखपुर, संवाददाता। खुर्खुंद क्षेत्र के तिलौली उर्फ डेहरी गांव निवासी किशा देवी पत्नी नंद कुमार बुधवार की सुबह करीब 5.20 बजे घर के समीप स्थित परसिया खाप मार्ग पर टहलने निकली थी। इसी बीच एक बाइक पर सवार दो बदमाश उनके पास पहुंचे और उन्हें रोककर खुर्खुंद जाने का रास्ता पूछने लगे। बदमाशों ने कुछ दूर आगे बढ़ा फिर वापस लौट महिला के गले से झपट्टा मारकर मंगलसूत्र छिनैती कर भाग निकले। बदमाशों ने आगे आकर मुसैला खुर्द गांव निवासी सुशीला देवी के गले का भी झपट्टा मारकर मंगलसूत्र छिनैती किया। थाना क्षेत्र के महुई पांडेय पार्क स्थित पुल के पास शुक्रवार आधी रात गोलियों की तड़तड़ाहट

से पूरा क्षेत्र गुंज उठा। पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में एक बदमाश के पैर में गोली लगी है। उसका मेडिकल कॉलेज में इलाज कराया गया है। मुठभेड़ में घायल बदमाश और उसका गिरफ्तार साथी तीन दिन पहले क्षेत्र में दो महिलाओं से हुई मंगलसूत्र की छिनैती में शामिल थे। पुलिस ने तलाशी में दोनों के पास से एक-एक 315 बोर कट्टा और कारतूस बरामद किया है। बताते चले कि खुर्खुंद क्षेत्र के तिलौली उर्फ डेहरी गांव निवासी किशा देवी पत्नी नंद कुमार बुधवार की सुबह करीब 5.20 बजे घर के समीप स्थित परसिया खाप मार्ग पर टहलने निकली थी। इसी बीच एक बाइक पर सवार दो बदमाश उनके पास पहुंचे और उन्हें

रोककर खुर्खुंद जाने का रास्ता पूछने लगे। बदमाशों ने कुछ दूर आगे बढ़ा फिर वापस लौट महिला के गले से झपट्टा मारकर मंगलसूत्र छिनैती कर भाग निकले। बदमाशों ने आगे आकर मुसैला खुर्द गांव निवासी सुशीला देवी के गले का भी झपट्टा मारकर मंगलसूत्र छिनैती किया। हालांकि इस दौरान उनका लाकैट वही गिर गया। पुलिस केस दर्ज कर बदमाशों की तलाश कर रही थी। इंसपेक्टर राहुल कुमार सिंह ने बताया कि शुक्रवार रात मुखबिर से सूचना मिली कि बाइक सवार दो बदमाश बहादुरपुर पड़री मार्ग होते हुए महुई पांडेय की तरफ जा रहे हैं। महुई पांडेय पार्क स्थित पुल के पास नाकेबंदी कर चेकिंग अभियान शुरू किया गया।

कासगंज में गंगा का प्रचंड रूप

गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से 14 सेंटीमीटर ऊपर तटवर्तह इलाकों में तेज कटान, खेतों में घुसा पानी प्रशासन बचाव कार्य में जुटा, बाढ़ चौकियां अलर्ट पर



संवाददाता, कासगंज। गंगा का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया है। इससे तटवर्ती इलाकों में कटान तेज हो गया है। नगला नरिपत और मूजखेड़ा के बाहरी हिस्से में बने मकानों तक पानी पहुंच गया है। ऐसे में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। खतरे का निशान 162 मीटर पर है, जिससे 14 सेंटीमीटर ऊपर पानी बह रहा है। नरौरा, बिजनौर, हरिद्वार के बांधों से निरंतर पानी छोड़े जाने से गंगा में जलस्तर निरंतर बढ़ रहा है। सिंचाई विभाग के मुताबिक रात में 14 सेंटीमीटर पानी बढ़ा है। ग्रामीणों का कहना है कि जलस्तर और बढ़ने पर हालात गंभीर हो सकते हैं। नगला नरपति, नगला दुर्जन, नगला हंसी, मूजखेड़ा और नगला जयकिशन समेत जनपद के अंतिम गांवों के सामने बाढ़ के हालात बनते जा रहे हैं हालांकि पानी अभी खेतों तक ही है।

कंगना के विवाद अर्जित हैं

असामाजिक तत्वों से किसी समझदार आदमी की सहानुभूति नहीं हो सकती, पर उन्हें पहचान कर रोकने की सामर्थ्य निश्चय ही आंदोलनकारियों से ज्यादा पुलिस के पास थी। हां, परंपरागत भारतीय संस्कृति के मद्देनजर आंदोलन के नारों और भाषणों की भाषा अवश्य चिंताजनक है, पर वही भाषा तो हमारे युवा ओटीटी और डिजिटल मीडिया से सीख रहे हैं, जिसकी परवाह न समाज को है और न ही सरकार को। इसलिए आप सहमत हों या असहमत, सीजेपी आंदोलन सभी के लिए आत्मावलोकन का मौका भी है।

सावन में हर शनिवार और सोमवार को स्कूलों में छुट्टी यूपी के इस जिले में नहीं खुलेंगे 12वीं तक के विद्यालय

सावन माह में कांवड़ यात्रा के दौरान भीड़ को देखते हुए उत्तर प्रदेश के एटा जिले में शुक्रवार रात्रि आठ बजे से रूट डायवर्जन व्यवस्था लागू कर दी गई है। वहीं 12वीं तक के स्कूल बंद रखने का भी निर्णय लिया गया है।

गोरखपुर,संवाददाता। सावन में कांवड़ यात्रा के दौरान बढ़ने वाली भीड़ और यातायात दबाव को देखते हुए एटा में 12वीं तक के विद्यालयों को शनिवार और सोमवार को बंद रखने का निर्णय लिया गया है। सोरों और कछला घाट पर गंगाजल लेने पहुंचने वाले कांवड़ियों की संख्या को देखते हुए जिले में शुक्रवार रात से रूट डायवर्जन भी लागू किया गया है। शहर में भारी वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह रोक लगा दी है। वहीं रोडवेज बसों का संचालन भी निर्धारित वैकल्पिक मार्गों से कराया जाएगा।

डायवर्जन व्यवस्था सोमवार की शाम छह बजे तक लागू रहेगी। यही व्यवस्था सात से 11 अगस्त, 14 से 17 अगस्त और 21 से 24 अगस्त तक प्रत्येक शुक्रवार से सोमवार शाम तक लागू रहेगी। डायवर्जन के दौरान अलीगढ़, पिलुआ, मैनपुरी, फिरोजाबाद, कासगंज, बदायूं



बरेली, शिकोहाबाद और टूंडला की ओर से आने-जाने वाले भारी वाहनों को शहर में प्रवेश नहीं मिलेगा। इन्हें वैकल्पिक मार्गों से उनके गंतव्य की ओर निकाला जाएगा। कांवड़ यात्रा के दौरान एटा-कासगंज मार्ग को वन-वे रखा जाएगा।

कई स्कूलों ने घोषित किया

अवकाश

कांवड़ की भीड़भाड़ को देखते हुए शहर के कई प्रमुख स्कूलों ने अवकाश घोषित कर दिया है। यह निर्णय ट्रैफिक में बच्चों की सुरक्षा को लेकर किया गया है। भीड़ की आशंका को देखते हुए शनिवार और सोमवार को स्कूल बंद रखने का निर्णय स्कूल प्रबंधन द्वारा लिया गया है।

यहां से होगा वाहनों का संचालन

— अलीगढ़ व पिलुआ से मैनपुरी जाने वाले भारी वाहन एटा बाईपास से डायवर्ट किए जाएंगे।
— अलीगढ़ व पिलुआ से फिरोजाबाद जाने वाले वाहन मलावन, कुरावली, धिरोर और शिकोहाबाद होकर जाएंगे।
— एटा से बदायूं व बरेली जाने वाले भारी वाहन ओन घाट चौकी, सिद्धपुरा, गंजडुंडवारा और कादरगंज मार्ग से भेजे जाएंगे।
— मैनपुरी से आने वाले भारी वाहनों



को एटा बाईपास से अलीगढ़ भेजा जाएगा।
— कासगंज से फिरोजाबाद जाने वाले वाहन सौरभ ढाबा से अमांपुर, एटा बाईपास, मलावन, कुरावली, धिरोर और शिकोहाबाद होकर गुजरेंगे।
— शिकोहाबाद से एटा आने वाले सभी भारी, हल्के एवं आवश्यक वस्तुओं के

वाहन धिरोर-मैनपुरी मार्ग से संचालित होंगे।
— टूंडला से आने वाले वाहन फिरोजाबाद, शिकोहाबाद, धिरोर, कुरावली, मलावन, एटा बाईपास, सिद्धपुरा और गंजडुंडवारा होकर बदायूं-बरेली जाएंगे।
— एटा-कासगंज मार्ग वन-वे रहेगा।

गोरखपुर में एक और मासूम के गायब होते ही पुलिस महकमे में हड़कंप

5 टीमों ने 120 मिनट में रचा मिशन रेस्क्यू

गोरखपुर में मां की डांट से नाराज होकर घर से निकली नौ वर्षीय बालिका को पुलिस ने दो घंटे में सकुशल ढूँढ निकाला। अपहरण का मुकदमा दर्ज कर पांच टीमों ने ते ...

मां की डांट से नाराज नौ वर्षीय बच्ची लापता हुई। पुलिस ने अपहरण का केस दर्ज कर पांच टीमें लगाई। दो घंटे में बच्ची सहेली के घर से सकुशल बरामद हुई।



संवाद सूत्र, चिलुआताल, (गोरखपुर)। जिले में हाल के दिनों में बच्चों के अपहरण की घटनाओं के बीच शुक्रवार को चिलुआताल पुलिस की त्वरित कार्रवाई ने एक परिवार की बड़ी चिंता कुछ ही घंटों में दूर कर दी। मां की डांट से नाराज होकर घर से निकली नौ वर्षीय बालिका के लापता होने की सूचना मिलते ही पुलिस ने किसी तरह की ढिलाई नहीं बरती। अपहरण का मुकदमा दर्ज कर पांच टीमों को तलाश में लगाया गया। सीसीटीवी फुटेज, घेराबंदी और स्थानीय स्तर पर तेजी से की गई खोजबीन के चलते बच्ची महज दो घंटे के भीतर घर से करीब एक किलोमीटर दूर सहेली के घर से सकुशल बरामद कर ली गई। फर्टिलाइजर क्षेत्र में रहने वाली महिला की नौ वर्षीय पुत्री शुक्रवार दोपहर निर्धारित समय से पहले घर लौट गई। मां ने उसे डांट दिया। इससे नाराज होकर वह दोपहर करीब एक बजे बिना बताए घर से चली गई। पहले परिवार ने रिश्तेदारी और आसपास के इलाकों में तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। अपराह्न तीन बजे तक बच्ची का पता नहीं

चलने पर परिवार की बेचौनी बढ़ गई। शाम 5रू05 बजे मां ने डायल-112 पर सूचना दी। हाल के दिनों में बच्चों से जुड़ी गंभीर घटनाओं को देखते हुए पुलिस ने मामले को अत्यंत संवेदनशील मानते हुए तत्काल अपहरण का मुकदमा दर्ज किया। थानाध्यक्ष सूरज सिंह ने पांच टीमें गठित कर संभावित मार्गों पर तलाश शुरू करा दी। सूचना मिलते ही एसपी उत्तरी ज्ञानेंद्र कुमार और सीओ कैंपियरगंज अनुराग सिंह भी गांव पहुंच गए। पुलिस ने गांव और आसपास के इलाकों की घेराबंदी कराई। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई, सार्वजनिक स्थानों पर पूछताछ की गई। लगातार चल रही तलाश के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि बालिका घर से लगभग एक किलोमीटर दूर अपनी सहेली के घर पर है। पुलिस टीम तत्काल वहां पहुंची और शाम करीब सात बजे उसे सकुशल बरामद कर लिया। पूछताछ में बच्ची ने बताया कि मां की डांट से नाराज होकर सहेली के घर चली गई थी। एसपी उत्तरी ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि बच्ची को सुरक्षित परिजनों को सिपुर्द कर दिया गया।

गोरखपुर में राष्ट्रीय किनारे बनेगा 1303 करोड़ का रिवर फ्रंट

राजघाट से डोमिनगढ़ तक 3.5 किमी रिवर फ्रंट बनेगा।

1303 करोड़ की लागत से पर्यटन विकास होगा।

अर्बन हाट, ईको पार्क, कन्वेंशन सेंटर जैसी सुविधाएं मिलेंगी।

संवाददाता, गोरखपुर। गोरखपुर को पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने वाली एक और महत्वाकांक्षी परियोजना जल्द आकार लेने जा रही है। राजघाट से डोमिनगढ़ तक राष्ट्रीय नदी के किनारे करीब 3.5 किलोमीटर लंबे क्षेत्र में लखनऊ के गोमती रिवर फ्रंट की तर्ज पर राष्ट्रीय रिवर फ्रंट विकसित किया जाएगा। करीब 1303 करोड़ रुपये लागत वाली इस परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) तैयार करा चुका है। अब सिंचाई विभाग के साथ तकनीकी विमर्श के बाद परियोजना को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर इस परियोजना की रूपरेखा तैयार की गई थी। इसके लिए जीडीए ने रिक्वेस्ट फार प्रपोजल (आरएफपी) के माध्यम से वाराणसी की एक विशेषज्ञ फर्म का चयन किया, जिसने नमो घाट का भी विकास किया है। विस्तृत सर्वेक्षण के बाद फर्म ने डीपीआर तैयार कर जीडीए को सौंप दी है। योजना के अनुसार राष्ट्रीय नदी के तट से हार्बर्ट बांध स्थित फोरलेन सड़क तक लगभग 150 मीटर चौड़ाई वाले क्षेत्र का विकास तीन चरणों में किया जाएगा। पहले चरण में अर्बन हाट और ईको पार्क विकसित होंगे, जहां लोगों के लिए मनोरंजन और प्राकृतिक वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा। दूसरे चरण में फोरलेन सड़क से सार्वजनिक प्रवेश मार्ग बनाया जाएगा तथा योगा सेंटर जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। तीसरे चरण में प्रगति मैदान की तर्ज पर अत्याधुनिक कन्वेंशन सेंटर बनाया जाएगा, जहां बड़े स्तर के सम्मेलन, प्रदर्शनियां और अन्य आयोजन



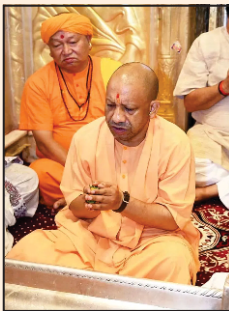
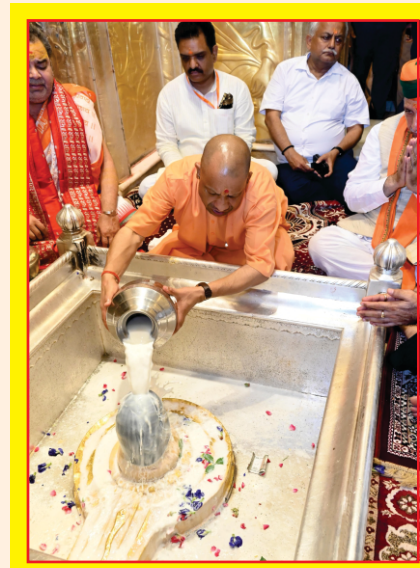
हो सकेंगे। परियोजना के तहत नदी किनारे सड़क, नालियां, लैंडस्केपिंग, पार्क, कियोस्क और खुले सार्वजनिक स्थल भी विकसित किए जाएंगे। इसके अलावा राष्ट्रीय नदी में विभिन्न स्थानों पर बोटिंग की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्लेटफार्म बनाए जाएंगे और पर्यटकों की सुरक्षा के लिए आवश्यक इंतजाम भी किए जाएंगे। हार्बर्ट बांध की ओर के हिस्से को ग्रीन बेल्ट के रूप में विकसित करने की योजना है, ताकि पर्यावरण संरक्षण के साथ क्षेत्र की सुंदरता भी बढ़ाई जा सके। राष्ट्रीय नदी के किनारे का यह क्षेत्र डूब क्षेत्र में आता है। इसी कारण परियोजना की घोषणा के समय यहां बढ़ते अतिक्रमण को देखते हुए निर्माण गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए रजिस्ट्री प्रक्रिया को कड़ा किया गया था। प्रत्यक्ष प्रतिबंध लगाने के बजाय विभिन्न विभागों की अनापत्ति (एनओसी) अनिवार्य कर दी गई, जिससे अनियोजित निर्माण पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

अब जीडीए और सिंचाई विभाग संयुक्त रूप से इस बात पर विचार करेंगे कि बाढ़ के दौरान परियोजना को सुरक्षित रखने और जलस्तर घटने की स्थिति में विकास कार्यों को किस प्रकार संचालित किया जाए। तकनीकी सुझावों के आधार पर यदि आवश्यक हुआ तो डीपीआर में संशोधन भी किया जाएगा। इसके बाद परियोजना की फंडिंग तय कर निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। राष्ट्रीय रिवर फ्रंट गोरखपुर की पर्यटन क्षमता को नई ऊंचाई देगा। डीपीआर तैयार हो चुकी है। सिंचाई विभाग के साथ बैठक के बाद आवश्यक बिंदुओं पर निर्णय लिया जाएगा। फंडिंग की प्रक्रिया पूरी होते ही परियोजना पर काम शुरू किया जाएगा। रिवर फ्रंट पर कन्वेंशन सेंटर, ओपन स्पेस और अन्य आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी, जिससे यह क्षेत्र शहर का प्रमुख पर्यटन एवं सांस्कृतिक केंद्र बन सकेगा।
— अभिनव गोपाल, उपाध्यक्ष जीडीए

सावन का पहला दिन

सीएम योगी ने बाबा विवनाथ का किया जलाभिषेक

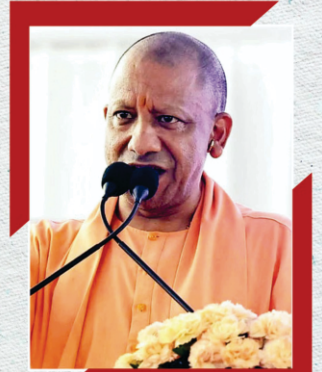
गोरखपुर, संवाददाता



सावन माह के पहले दिन बृहस्पतिवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाबा विश्वनाथ के षोडशोपचार दर्शन-पूजन किए और जलाभिषेक कर प्रदेशवासियों के लिए मंगल कामना की। इसके साथ ही उन्होंने काशी के कोतवाल कहे जाने वाले बाबा कालभैरव के दर्शन-पूजन किए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाबा विश्वनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद बाबा कालभैरव मंदिर में भी विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने सस्वर भैरवाष्टकम् स्तोत्र के बीच मंगल कामना के लिए आरती भी उतारी। मुख्यमंत्री के इस प्रवास का उद्देश्य सावन माह में प्रदेश की सुख-समृद्धि और शांति की कामना करना रहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने काशी प्रवास के दौरान प्रदेशवासियों के कल्याण और समृद्धि की प्रार्थना की। उन्होंने बाबा विश्वनाथ धाम पहुंचकर मंदिर के शिखर को प्रणाम किया और गर्भगृह में विशेष पूजा-अर्चना में भाग लिया।

सीएम योगी का अफजाल पर निशाना बोले— जहां का सांसद अवैध लाइसेंस बनवाने में व्यस्त, वहां के भगवान ही मालिक

माफिया किसी के नहीं होते, ये समाज का खून चूसते हैं। ये कब्र में जाकर फातिया पढ़ने वाले लोग हैं। इसलिए डबल इंजन की सरकार ने पहले ही दिन तय किया था दंगाइयों को मिट्टी में मिलाने का काम किया जाएगा। दंगा करने वाले आज मिट्टी में दफन हो गए हैं। अब माफिया किसी भी बेटी की तरफ नजर उठाने से पहले डरते हैं।



गोरखपुर, संवाददाता। मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी की लड़ाई और भारत-पाकिस्तान युद्ध में वीर अब्दुल हमीद इसी गाजीपुर की धरती से थे। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर सीधा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दलों ने महाराज सुहेलदेव के नाम पर कोई भी आयोजन नहीं होने दिया। गाजीपुर में सीएम योगी ने सपा सांसद अफजाल अंसारी पर निशाना साधते हुए कहा कि जहां के सांसद अवैध शस्त्र लाइसेंस बनवाने में व्यस्त, वहां के भगवान ही मालिक हैं। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार में यूपी में सब चंगा है, नो दंगा। दंगाई अब जेल में हैं। माफिया किसी के नहीं होते, ये समाज का खून चूसते हैं। ये कब्र में जाकर फातिया पढ़ने वाले लोग हैं। इसलिए डबल इंजन की सरकार ने पहले ही दिन तय किया था दंगाइयों को मिट्टी में मिलाने का काम किया जाएगा। दंगा करने वाले आज मिट्टी में दफन हो गए हैं अब माफिया किसी भी बेटी की तरफ नजर उठाने से पहले डरते हैं। उन्हें पता है कि कहीं मिट्टी में दफन होना पड़ेगा। सीएम ने गाजीपुर को बताया आतंक विरोधी

योगी आदित्यनाथ ने गहमर गांव का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने इसे एशिया और देश का सबसे बड़ा गांव बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गहमर को 12,000 फौजियों के गांव के रूप में जाना जाता है। उन्होंने बताया कि अकेले इसी गांव में 12 हजार से अधिक सैनिक और सेवारत अधिकारी निवास करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्र भारत में जब भी देश की सीमाओं की रक्षा की बात आती है, तो गाजीपुर के फौजियों का योगदान अविस्मरणीय है। जिले के सैनिकों ने 1961, 1965 और 1971 के युद्धों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अतिरिक्त, कारगिल युद्ध और ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों में भी उन्होंने अपना योगदान दिया। यह गाजीपुर की वीर भूमि का प्रमाण है। आजादी की लड़ाई में वीर अब्दुल हमीद इसी गाजीपुर की धरती से थे मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी की लड़ाई और भारत-पाकिस्तान युद्ध में वीर अब्दुल हमीद इसी गाजीपुर की धरती से थे। उन्होंने बताया कि गाजीपुर राष्ट्र रक्षा और साहित्य के क्षेत्र में हमेशा अव्वल रहा है। योगी आदित्यनाथ ने सवाल उठाया कि आखिर यह गौरवशाली जिला क्यों गुमनाम हो गया था।

किसी को शक न हो... रातभर वैभव को तलाशता रहा

गोरखपुर, संवाददाता। कारोबारी के मासूम बेटे की अपहरण कर हत्या करने के बाद आरोपी रातभर उसे तलाश करता रहा ताकि किसी को शक न हो। पुलिस का दावा है कि पूछताछ में आरोपी ने कई बार बयान बदले। अब क्राइम सीन रिक्रिएशन होगा। आरोपी बिहार पेपर लीक मामले में जेल जा चुका है। गोरखपुर के खजनी के चर्चित वैभव हत्याकांड में गिरफ्तार सर्वेश भट्ट का चेहरा बाहर से सामान्य कारोबारी जैसा दिखता था लेकिन पुलिस जांच में उसकी आपराधिक प्रवृत्ति और शातिर तरीके सामने आए हैं। पुलिस का दावा है कि वारदात के बाद वह पूरे समय पीड़ित परिवार के साथ रहा। रात भर साथ में बच्चे की तलाश करता रहा ताकि किसी को उस पर शक न हो। पूछताछ के दौरान भी उसने कई बार बयान बदले जिसके बाद पुलिस ने मनोवैज्ञानिकों की मदद ली। वैभव हत्याकांड में गिरफ्तार किया गया सर्वेश भट्ट की दोहरी जिंदगी ने पुलिस को भी चौंका दिया है। बाहर से कंप्यूटर कोचिंग चलाने वाला और सामान्य कारोबारी परिवार का सदस्य दिखने वाला सर्वेश अब एक मासूम की हत्या के आरोप में सलाखों के पीछे है। पुलिस का दावा है कि वारदात के बाद उसने खुद को संदेह से दूर रखने के लिए परिजन के साथ मिलकर वैभव की तलाश भी की ताकि किसी का शक उस पर न जाए। पुलिस के अनुसार, सर्वेश की शादी करीब एक साल पहले हुई थी। उसके पिता हरिनारायण भट्ट कपड़े का कारोबार करते हैं जबकि बड़ा भाई अधिवक्ता है। स्वयं सर्वेश कस्बे में कंप्यूटर कोचिंग सेंटर संचालित करता था जहां डिप्लोमा और शिक्षक भर्ती परीक्षाओं की तैयारी कराई जाती थी। उसका मकान वैभव के घर वाली गली के आखिरी छोर पर है जिसके

अपहरण के बाद मासूम का कत्ल

बिहार पेपर लीक मामले में जेल जा चुका है आरोपी वैभव की रातभर परिवार संग तलाश कराता रहा सर्वेश



पीछे खेत और झाड़ियां हैं। पुलिस का कहना है कि इसी सुनसान इलाके का उसने वारदात में इस्तेमाल किया। वर्ष 2024 में बिहार के चर्चित पेपर लीक प्रकरण में भी आरोपी सर्वेश जा चुका है जेल जांच में यह भी सामने आया है कि वर्ष 2024 में बिहार के चर्चित पेपर लीक प्रकरण में भी सर्वेश जेल जा चुका है। उस मामले में वह करीब 40 दिन प्रयागराज की नैनी जेल में बंद था। पुलिस का कहना है कि जेल से लौटने के बाद उसकी गतिविधियां संदिग्ध बनी रही। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि वह कम समय में अधिक पैसा कमाने की मानसिकता रखता था। बार-बार बयान बदल रहा आरोपी पूछताछ के दौरान सर्वेश ने पुलिस को कई बार अलग-अलग बातें बताईं। अधिकारियों के मुताबिक, वह लगातार बयान बदलकर जांच को भटकाने की कोशिश करता रहा। इसके बाद पूछताछ में मनोवैज्ञानिकों की भी मदद ली गई। पुलिस अब उसके बयान, घटनास्थल और वैज्ञानिक साक्ष्यों का मिलान करने के लिए पूरे घटनाक्रम का क्राइम सीन रिक्रिएशन

कराएगी। एसएसपी डॉ. कौस्तुभ ने बताया कि इसके लिए लखनऊ से फॉरेंसिक विशेषज्ञों को बुलाया गया है। आरोपी के मकान को सील कर दिया गया है और बेसमेंट सहित पूरे परिसर से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए गए हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, फॉरेंसिक जांच, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य और क्राइम सीन रिक्रिएशन की रिपोर्ट के आधार पर विवेचना को आगे बढ़ाया जाएगा। पुलिस का कहना है कि जांच का उद्देश्य केवल स्वीकारोक्ति पर नहीं, बल्कि ठोस वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर अदालत में मजबूत अभियोजन सुनिश्चित करना है।

खाजनी - सिकरी गंज और खजनी-मल्हनपार मार्ग जाम किया बच्चे का शव मिलने की सूचना फैलते ही खजनी कस्बे में भीड़ जुट गई। आक्रोशित व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने दोपहर करीब 12:30 बजे खजनी-सिकरीगंज और खजनी-मल्हनपार मार्ग जाम कर दिया। इसके बाद बड़ी संख्या में लोग खजनी थाने पहुंच गए और घेराव कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने आरोपी के एनकाउंटर, उसके मकान पर बुलडोजर चलाने और फास्ट ट्रैक कोर्ट में

मुकदमा चलाकर कठोर सजा दिलाने की मांग की। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी डॉ. कौस्तुभ, डीएम दीपक मीणा समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और लोगों को शांत कराने की कोशिश की। भीड़ के बढ़ते आक्रोश को देखते हुए पुलिस ने आरोपी और उसके परिवार को सुरक्षित स्थान पर भेज दिया। एहतियातन आसपास के थानों से अतिरिक्त पुलिस बल भी बुलाया गया। देर तक चली बातचीत और अधिकारियों के आश्वासन के बाद स्थिति पर नियंत्रण पाया जा सका। अधिकारियों के आश्वासन और लगातार चली वार्ता के बाद शाम करीब 4:20 बजे जाम समाप्त हुआ और यातायात बहाल कराया गया। एहतियात के तौर पर पूरे कस्बे में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रखा गया है। मासूम की अपहरण के बाद हत्या गोरखपुर के खजनी कस्बे के सराफा कारोबारी हनुमान वर्मा के 10 वर्षीय बेटे वैभव वर्मा के अपहरण के बाद हत्या कर दी गई। सोमवार दोपहर स्कूल से लौटने के बाद साइकिल लेकर घर से निकला बालक रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गया था। करीब 24 घंटे तक चले सर्व ऑपरेशन के बाद पुलिस ने पड़ोस में रहने वाले आरोपी कंप्यूटर शिक्षक सर्वेश भट्ट को गिरफ्तार कर उसके घर के बेसमेंट से वैभव का शव बरामद किया। घटना के बाद लोगों में गुस्सा फूट पड़ा। व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने मुख्य मार्ग जाम कर खजनी थाने का घेराव किया और आरोपी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। जानकारी के अनुसार, खजनी कस्बे के सराफा कारोबारी का सबसे छोटा बेटा वैभव सोमवार दोपहर करीब दो बजे स्कूल से घर लौटा था। उसने स्कूल बैग रखा, यूनिफॉर्म बदली और नई साइकिल लेकर घर से निकल गया। कुछ देर बाद उसकी

साइकिल लावारिस हालत में मिली, जबकि पास के खेत में उसकी एक चप्पल बरामद हुई। इसके बाद परिजन ने पुलिस को सूचना दी। तहसीर के आधार पर पुलिस ने गुमशुदगी की प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर वैभव के पीछे पड़ोस में रहने वाला कंप्यूटर शिक्षक सर्वेश भट्ट जाता दिखाई दिया। इसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान पुलिस ने मंगलवार दोपहर सर्वेश के घर की तलाशी ली। इस दौरान उसके मकान के बेसमेंट से बालक का शव बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस हत्या के कारण और वारदात से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है। बच्चे का शव मिलने की सूचना फैलते ही खजनी कस्बे में भीड़ जुट गई। आक्रोशित व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने खजनी-सिकरीगंज और खजनी-मल्हनपार मार्ग जाम कर दिया। इसके बाद बड़ी संख्या में लोग खजनी थाने पहुंच गए और घेराव कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने आरोपी के एनकाउंटर, उसके मकान पर बुलडोजर चलाने और फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाकर कठोर सजा दिलाने की मांग की। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी डॉ. कौस्तुभ, डीएम दीपक मीणा समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और लोगों को शांत कराने की कोशिश की। भीड़ के बढ़ते आक्रोश को देखते हुए पुलिस ने आरोपी और उसके परिवार को सुरक्षित स्थान पर भेज दिया। एहतियातन आसपास के थानों से अतिरिक्त पुलिस बल भी बुलाया गया। देर तक चली बातचीत और अधिकारियों के आश्वासन के बाद स्थिति पर नियंत्रण पाया जा सका।

पांच हजार की रिश्वत लेते कनिष्ठ सहायक गिरफ्तार

कुशीनगर,संवाददाता । कुशीनगर के जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केंद्र में मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना की सब्सिडी जारी कराने के नाम पर रिश्वत लेते कनिष्ठ सहायक को एंटी करप्शन गोरखपुर की ट्रैप टीम ने रंगे हाथ गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के तहत स्वीकृत ऋण की सब्सिडी जारी कराने के एवज में 5,000 रिश्वत लेते हुए जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केंद्र कुशीनगर के कनिष्ठ सहायक को एंटी करप्शन गोरखपुर की ट्रैप टीम ने रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। टीम आरोपी को रविंद्रनगर धूस में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर विधिक कार्रवाई में जुटी है। शिकायतकर्ता अमन कश्यप निवासी मंगल बाजार, कप्तानगंज ने आरोप लगाया था कि उनकी पत्नी के खाते में मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के तहत स्वीकृत नौ लाख रुपये ऋण की सब्सिडी भेजने के लिए कनिष्ठ सहायक शैलेश कुमार कुशवाहा ने 5,000 रुपये रिश्वत की मांग कर रहे थे।



पत्नी और तीन बेटों का कत्ल

चारों को सोते समय उतारा था मौत के घाट, फिर खुद खाया जहर, अब कानून ने दी मौत की सजा



पति ने खुद खत्म किया परिवार

कोर्ट ने माना 'रेयरेस्ट ऑफ रेयर' केस

पांच साल बाद ससुर रामजीत की हुई जीत

कुशीनगर,संवाददाता । अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश परमेश्वर प्रसाद की अदालत ने जितेंद्र कुशवाहा को पत्नी लीलावती व तीन बेटों की हत्या का दोषी माना। उसे मृत्युदंड और दो लाख एक हजार रुपये का अर्थदंड सुनाया गया। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश परमेश्वर प्रसाद की अदालत ने तीन मासूम बेटों व पत्नी की हत्या के मामले में पति को दोषी करार दिया। मामले को रेयरेस्ट ऑफ रेयर करार देते हुए अभियुक्त को मृत्युदंड और दो लाख के अर्थदंड से दंडित किया है। अदालत ने कहा है कि दोषी को तब तक फंदे पर लटकाया जाए, जब तक उसकी मौत न हो जाए। कसया थाना क्षेत्र के कुड़वा दिलीप नगर गांव के गुरमिया गोपाल टोला निवासी जितेंद्र कुशवाहा की शादी मठिया माधोपुर के रामजीत कुशवाहा की बेटी लीलावती से हुई थी। रामजीत कुशवाहा ने 26 अगस्त 2021 को तहरीर दी कि 25 अगस्त 2021 की रात जितेंद्र ने अपनी पत्नी 31 वर्षीय लीलावती, बेटे आकाश (8), विकास (6) तथा रिकू (4) की सोते समय धारदार हथियार से गला काटकर हत्या कर दी। इसके बाद जितेंद्र ने खुद जहर खा लिया था। दरवाजा अंदर से बंद था। ग्रामीणों से जानकारी मिलने के बाद रामजीत खुद मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शवों को कब्जे में लिया था। तहरीर के आधार पर कसया थाने में जितेंद्र कुशवाहा के खिलाफ हत्या व आत्महत्या की कोशिश की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस कस्टडी में आरोपी का अस्पताल में इलाज कराया गया। स्वस्थ होने के बाद उसे जेल भिजवा दिया गया। विवेचक ने जितेंद्र के खिलाफ अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से कुल 12 गवाह परीक्षित कराए गए। इनमें हत्यारोपी के पिता व भाई की गवाही भी महत्वपूर्ण रही। अदालत ने पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्त जितेंद्र कुशवाहा को हत्या व आत्महत्या की कोशिश का दोषी करार दिया। उसे फांसी की सजा सुनाई और दो लाख एक हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। अभियुक्त गिरफ्तार किए जाने के बाद से ही जेल में है। जेल से ही उसे पेशी पर लाया गया था। सजा सुनाने के बाद फिर उसे जेल भेज दिया गया।

बहू ने ससुर को मार डाला

रात में बिगड़ी बात, धारदार हथियार से महिला ने निर्मम हत्या की, फिर खुद बुलाई पुलिस

महाराजगंज,संवाददाता । जिले के सोनबरसा गांव में गुरुवार रात बहू शोभा गुप्ता ने ससुर सच्चाराम गुप्ता (70) की धारदार हथियार से हत्या कर दी। जायदाद को लेकर उनका विवाद चल रहा था। पुलिस ने शव बरामद कर आरोपी बहू को हिरासत में लिया है। यूपी के महाराजगंज जिले के सोनबरसा गांव में गुरुवार की रात जायदाद के लिए बहू ने ससुर की धारदार हथियार से मारकर हत्या कर दी। जिनका शव घर के बगल में खून से लथपथ मिला। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं आरोपी बहू को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। जानकारी अनुसार, फरेंदा थाना क्षेत्र के सोनबरसा गांव निवासी सच्चाराम गुप्ता (70) का अपने बहू से जायदाद के लिए काफी दिनों से विवाद चल रहा था। जिसको लेकर बहू ने ससुर को जान से मारने की धमकी भी दे चुकी थी। शुक्रवार की सुबह करीब छह बजे सच्चाराम गुप्ता का खून से लथपथ शव उनके घर के बगल में मिली तो गांव में हड़कंप मच गया।

मुंबई से लौटने के बाद उजड़ गया पूरा परिवार

बीवी और दो बच्चों का कत्ल कर खुद भी दी जान

बलरामपुर,संवाददाता । झौहना गांव के गोसाई पुरवा में हुए गोली कांड ने पूरे जिले को झकझोर दिया। घर के भीतर एक ही परिवार के चार सदस्य खून से लथपथ पड़े मिले। मृतकों में युवक, उसकी पत्नी और दो बच्चे शामिल हैं। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले से सनसनीखेज वारदात सामने आई है। एक युवक ने पत्नी और दो मासूमों की गोली मारकर हत्या कर ली। इसके बाद खुद भी गोली मारकर जान दे दी। पुलिस जांच में जुटी है। बलरामपुर के कोतवाली देहात इलाके के झौहना गांव के गोसाई पुरवा में शुक्रवार शाम हुई दर्दनाक वारदात ने पूरे जिले को स्तब्ध कर दिया। महज एक सप्ताह पहले मुंबई से गांव लौटे 28 वर्षीय बजरंग गिरी का हंसता-खेलता परिवार कुछ ही पलों में खत्म हो गया। अब न पत्नी कोमल (25) की आवाज सुनाई देगी, न तीन वर्षीय बेटी श्रद्धा की चहलकदमी और न ही 10 माह के मासूम जयदीप की किलकारियां। एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत से पूरे गांव में मातम पसरा है। ग्रामीणों के अनुसार बजरंग गिरी तीन भाइयों में सबसे छोटे थे। उनके दोनों बड़े भाई पिछले करीब 15 वर्षों से मुंबई में ट्रांसपोर्ट का कारोबार करते हैं और वहीं परिवार के साथ रहते हैं। करीब एक माह पहले बजरंग भी भाइयों से मिलने मुंबई गए थे और सप्ताहभर पहले ही गांव लौटे थे।



पत्नी और दो मासूमों को गोलियों से भूना | **युवक ने फिर खुद को गोली से उड़ा लिया** | **आखिर ऐसा क्या हुआ, जिससे पूरा परिवार खत्म**

किसी ने कल्पना भी नहीं की थी कि घर लौटने के कुछ दिन बाद ही ऐसा हादसा हो जाएगा। छोटे भाई राम कुमार ने बताया कि कोमल गृहिणी थीं। तीन वर्षीय श्रद्धा पूरे दिन घर के बाहर खेलती रहती थी, जबकि 10 माह के जयदीप को गोद में खिलाने के लिए पड़ोस की महिलाएं भी अक्सर पहुंच जाती थीं। बच्चों की किलकारियों से गूजने वाला घर अब सन्नाटे में डूब गया है। घटना के बाद घर के बाहर रिश्तेदारों और ग्रामीणों की भीड़ जुटी रही। हर आंख नम थी और हर जुबान पर यही सवाल था कि आखिर ऐसा क्या हुआ, जिससे पूरा परिवार खत्म हो गया। ग्रामीणों को करीब एक माह पहले की वह

घटना भी याद आ रही है, जब घर के बरामदे में खड़ी स्कॉर्पियो में अचानक आग लग गई थी। वाहन पूरी तरह जल गया था, लेकिन आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका था। चार मौतों के बाद गांव में उस घटना की भी चर्चा है। हालांकि पुलिस फिलहाल दोनों घटनाओं को जोड़कर नहीं देख रही है। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने बताया कि बजरंग के मुंबई प्रवास, मोबाइल फोन, पारिवारिक संबंधों, आर्थिक गतिविधियों और अन्य सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही घटना की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी। गांव के बुजुर्ग राजकरन ने कहा कि एक साथ पूरे परिवार को इस तरह उजड़ते पहली बार देखा है।

बेटी के अंतिम संस्कार के बाद जन्मा बेटा, गम में था परिवार मां बोली— कहती थी भाई होगा तो राखी बाधूंगी

गोरखपुर में मासूम से हैवानियत

- पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलासा
- बच्ची को नदी में फेंका
- मौत से पहले शरीर पर निशान
- गले की हड्डी टूटी हुई मिली



गोरखपुर,संवाददाता । गोरखपुर में जहां एक परिवार ने 10 वर्षीय बेटी को दरिंदगी में खो दिया। बेटी के अंतिम संस्कार के कुछ घंटों बाद ही घर में बेटे का जन्म हुआ, लेकिन इस खुशी को परिवार महसूस नहीं कर सका। नियति के खेल भी निराले हैं... घर में पांच बेटियों के बाद बेटे का जन्म हुआ लेकिन हालात ऐसे कि यह खुशी महसूस नहीं की जा सकी। दरिंदगी की शिकार हुई 10 साल की बिटिया का परिवार के लोगों ने बृहस्पतिवार की सुबह अंतिम संस्कार किया था। देर शाम अस्पताल से बेटे के जन्म की खबर मिली। बिटिया से हुई हैवानियत के गम के बोझ तले दबे परिवार के लिए बेटे की आमद के उत्सव का अवसर भी फीका रहा। जिस बेटी को नौ महीने गर्भ में पाला और 10 साल तक अपने आंचल की छांव में हर दुख से बचाकर रखा उसके साथ हुई अमानवीयता ने मां को कभी न खत्म होने वाला दर्द दिया है। बिटिया को गंवाने की तकलीफ में डूबी गर्भवती मां की तबीयत बृहस्पतिवार की सुबह बिगड़ गई थी जैसे-तैसे उसे संभाला गया। इस बीच बिटिया के अंतिम संस्कार की तैयारियां भी होती रहीं। उधर, प्रसव पीड़ा होने पर मां किसी भी कीमत पर अस्पताल जाने के लिए तैयार नहीं थी। काफी समझा-बुझाकर उसे

कोतवाली थाना क्षेत्र के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां रात 9रू30 बजे बेटे का जन्म हुआ। मां की आंख खुली तो बेटे को देख खुश होने के बजाय उसकी आंखें फिर छलक पड़ीं। मां बोली— भाई के पैदा होने का इंतजार कर रही थी, उसके आने से पहले ही चली गई। बाहर बेटियों के साथ मौजूद पिता फफक पड़े। कहने लगे कि सभी बहनों के साथ वह भी भाई के आने का इंतजार कर रही थी। कह रही थी कि इस साल रक्षाबंधन पर वह भी अपने भाई को राखी बांधेगी। पिता ने बताया कि पांच बेटियों के बाद सभी की चाह थी कि एक बेटा हो जाए। इस बार जैसे सभी को यह भरोसा था कि बेटा ही होगा। हम सब बहुत खुश थे। अगवा होने वाले दिन ही सुबह उसने बहन को खाना देने जाने से पहले मां को दुलारते हुए कहा था कि इस बार हमारे यहां भाई आएगा। यह कहते हुए पिता के साथ ही खड़ी सभी बेटियां रोने लगीं और उन्हें संभालना मुश्किल हो गया। **मां और बड़ी बहन की बीमारी में सहारा बनी थी मासूम** जिस मासूम की जिंदगी किताबों और खेल के मैदान में बीतनी चाहिए थी वह छोटी—सी उम्र में ही अपने परिवार की जिम्मेदारियों का

सहारा बन चुकी थी। पांचवीं कक्षा में पढ़ने वाली बच्ची पांच बहनों में दूसरे नंबर पर थी। मां नौ माह की गर्भवती होने के साथ लंबे समय से अस्वस्थ थीं। ऐसे में घर के छोटे-छोटे कामों से लेकर बहनों की देखभाल तक की जिम्मेदारी वह बड़ी बहन के साथ मिलकर निभाती थी। परिवार पर मुश्किलों का पहाड़ तब और टूट पड़ा, जब 27 जुलाई की शाम बड़ी बहन की अचानक तबीयत बिगड़ गई। सीने में तेज दर्द और बुखार आने पर पिता उसे अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने उसे भर्ती कर लिया। अस्पताल में दादी उसके साथ रहीं जबकि घर पर गर्भवती मां और छोटी बहनों की जिम्मेदारी इसी मासूम के कंधों पर आ गई। अगले दिन उसने बिना किसी कहे रसोई संभाली, अपने हाथों से खाना बनाया और छोटी बहन को साथ लेकर अस्पताल पहुंची। बड़ी बहन को खाना खिलाने के बाद उसने तीसरी बहन को अस्पताल में रुकने के लिए कहा और खुद घर के लिए निकल पड़ी।

मासूम की पोस्टमार्टम रिपोर्ट खोल रही भयावह वारदात की परतें गोरखपुर। रोहिन नदी से मिले मासूम के शव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने उस भयावह वारदात की परतें खोल दी हैं, जिसने हर किसी को झकझोर दिया है। मेडिकल जांच में सामने आया कि बच्ची की मौत एंटीमोर्टम इंजरी (मौत से पहले लगी चोटों) के कारण हुई। गले की हड्डी टूटने और गला दबाने से दम घुटने को मौत का कारण बताया गया हैं। दो डॉक्टरों के पैनल ने वीडियोग्राफी के साथ मासूम का पोस्टमार्टम किया। सूत्रों के मुताबिक, मासूम की हालत देखकर पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टरों की आंखें भी नम हो गईं। हालांकि चिकित्सकों ने पूरी संवेदनशीलता के साथ मेडिकल प्रक्रिया पूरी की और हर चोट व साक्ष्य को बारीकी से दर्ज किया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक, बच्ची के गले, दोनों पैर, पेट पर गंभीर चोट मिली हैं।

गोरखपुर के पते पर बनवाया फर्जी पासपोर्ट

गैंगस्टर जोबनजीत सिंह उर्फ बिल्ला जो इंडोनेशिया में पकड़ा गया



227 किलो वजन उठाकर हरजिंदर कौर ने रचा इतिहास, कॉमनवेल्थ गेम्स में जीता सिल्वर मेडल



भाजपा वचन नहीं देती जुमला देती है।



‘जैसे पाकिस्तान से जंग लड़कर आए हों’ धर्मप्रधान के स्वागत पर भड़का विपक्ष



भारतीय भूमिका शाजवानी बनीं मिसेज अर्थ एलीट 2026 विजेता

गोरखपुर, संवाददाता

पंजाब के एक कुख्यात गैंगस्टर का यूपी के गोरखपुर के पते पर फर्जी बना पासपोर्ट सामने आया है। इसके बाद सुरक्षा एजेंसी सहित सरकारी अमला हरकत में आ गया। फर्जी पते पर पासपोर्ट बनाने वाले पूरे नेटवर्क की जांच पड़ताल शुरू की गई है। अमृतसर निवासी गैंगस्टर जोबनजीत सिंह उर्फ बिल्ला हाल ही में इंडोनेशिया से पकड़ा गया। उस पर 5 लाख का इनाम घोषित था। उसने गोरखपुर के गोरखनाथ थाना क्षेत्र के एक एड्रेस पर अपना पासपोर्ट बनवाया और विदेश फरार हो गया। यह जानकारी होते ही पंजाब पुलिस की एक



25 मुकदमे दर्ज

गोरखपुर के पते पर अपना पासपोर्ट बनवाया

गोरखपुर का एड्रेस किसने मुहैया कराया

अब सुरक्षा एजेंसियां इस बात का पता करने में लगी हैं कि आखिर बिल्ला को गोरखपुर का एड्रेस किसने मुहैया कराया और पासपोर्ट बनवाने के लिए फर्जी दस्तावेज किसने दिए। शक है कि इसके पीछे कोई बड़ा नेटवर्क शामिल है और इस बात की भी जानकारी जुटाई जा रही है कि ऐसे और कितने लोगों के फर्जी दस्तावेज इस्तेमाल कर डॉक्यूमेंट बनवाए गए हैं। इस संदर्भ में सत्यापन रिपोर्ट, पासपोर्ट आवेदन और पुराने रिकॉर्ड संबंधित जानकारी जुटाई जा रही है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जोबनजीत सिंह उर्फ बिल्ला पर 25 से ज्यादा अपराधी मुकदमे दर्ज हैं। इनमें हत्या, बलवा रंगदारी, हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट सहित संगठित अपराध के मुकदमे दर्ज हैं। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों के ज्वाइंट आपरेशन के तहत बिल्ला को भारत लाया गया था। वह पिछले कई सालों से फरार चल रहा था। उसके खिलाफ इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस जारी था।

पहले भी आ चुके हैं ऐसे मामले

एजेंसियां इस बात का भी पता लग रही है कि पिछले कुछ वर्षों में कितने लोगों की फर्जी डॉक्यूमेंट बनाए गए हैं जिनमें आधार कार्ड से लेकर पासपोर्ट और अन्य डॉक्यूमेंट शामिल हैं। ऐसे सभी लोगों के खिलाफ सख्त और कानूनी कार्रवाई करने की तैयारी है। बता दें इसके पहले भी कई फर्जी डॉक्यूमेंट के मामले गोरखपुर में सामने आ चुके हैं। एसपी सिटी नगरआयुक्त से लेकर कई बड़े अधिकारियों के नाम से फर्जी कागजात के सहारे डॉक्यूमेंट तैयार कर लिए गए थे।

असम में बाढ़ का कहर

75 लोगों की मौत, 45,341.98 हेक्टेयर फसल क्षेत्र पानी में डूबा



गोरखपुर में हत्या

कारोबारी के बेटे की अपहरण के बाद हत्या



- आरोपी ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर भेजा था वाट्सएप संदेश
- एआई से फिरोती मांगने के तरीके, साइनाइड जहर से जुड़ी जानकारी भी ली

गोरखपुर, संवाददाता। कारोबारी के बेटे की अपहरण के बाद हत्या के मामले में चौकाने वाली जानकारी सामने आई है। आरोपी ने एआई से फिरोती मांगने के तरीके और साइनाइड जहर से जुड़ी जानकारी हासिल की थी। 199 रुपये में कंबोडिया का वर्चुअल नंबर खरीदा था और लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर वाट्सएप संदेश भेजा था। गोरखपुर में सराफा कारोबारी के बेटे वैभव के अपहरण के बाद हत्या की साजिश में बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस जांच में सामने आया कि हत्यारोपी सर्वेश कंप्यूटर एक्सपर्ट था और उसने पूरी साजिश को अंजाम देने के लिए एआई का सहारा लिया। उसने एआई से लॉरेंस बिश्नोई गैंग के काम करने के तरीके, गैंग में शामिल होने की प्रक्रिया, फिरोती मांगने के तौर-तरीके और साइनाइड जहर से जुड़ी जानकारी तक हासिल की थी। पुलिस के अनुसार, सर्वेश ने इंटरनेट के जरिये 199 रुपये में कंबोडिया का एक वर्चुअल मोबाइल नंबर खरीदा। इसी नंबर से वाट्सएप एकाउंट बनाकर उसने लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर

सराफा कारोबारी को संदेश भेजा। उसकी योजना एक करोड़ रुपये से अधिक की फिरोती मांगने की थी। इसके लिए उसने रुपये मंगाने के उद्देश्य से एक म्यूल (फर्जी) बैंक खाता भी तैयार कर रखा था। हालांकि, शुरुआती वाट्सएप संदेश में फिरोती का स्पष्ट उल्लेख नहीं किया गया था। कारोबारी उस संदेश का आशय समझ नहीं सके, जिससे आरोपी की योजना तत्काल सफल नहीं हो सकी। एसपी साउथ दिनेश पुरी ने बताया कि आरोपी का मोबाइल फोन खंगाला तो उसमें एआई से किए गए कई सवाल और उनके जवाब मिले। इनमें लॉरेंस बिश्नोई गिरोह की कार्यप्रणाली, फिरोती वसूलने के तरीके, गैंग की गतिविधियां और साइनाइड जहर से संबंधित जानकारी शामिल थीं। पुलिस का मानना है कि इन जानकारियों के आधार पर ही आरोपी ने सराफा कारोबारी के बेटे के अपहरण की पूरी साजिश तैयार की थी। अब पुलिस आरोपी की डिजिटल गतिविधियों और उसके संपर्कों की भी गहन जांच कर रही है।

सड़क धंसने पर गिरी गाज

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे धंसने के मामले में बड़ी कार्रवाई, प्रोजेक्ट मैनेजर समेत 3 अधिकारी ब्लैकलिस्ट

संवाददाता, लखनऊ। उद्घाटन के 14 दिन बाद ही लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे पर उन्नाव के कोराही क्षेत्र में सड़क का हिस्सा धंसने की घटना को लेकर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने बड़ी कार्रवाई की है। एनएचएआई ने निर्माणकारी संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर-सह-डीजीएम (हाइवे) विवेक कुमार गुप्ता, स्वतंत्र इंजीनियर के टीम लीडर सुरेंद्र कुमार और रेसिडेंट इंजीनियर यतेंद्र कुमार को परियोजना से हटाकर अगले दो वर्षों तक किसी भी परियोजना में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया है। करीब 4200 करोड़ रुपये की लागत से तैयार लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का उद्घाटन 13 जुलाई को हुआ था। उन्नाव के कोराही क्षेत्र के किलोमीटर संख्या 64 के पास सड़क का हिस्सा धंसने का एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ था।



तीन अधिकारियों को दो साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया है।



चाइना में बन्धागोभी की खेती करते हुए किसान

जौहर यूनिवर्सिटी मामले में ट्रस्ट ने हाईकोर्ट से याचिका ली वापस, कमिशनरी कोर्ट से मिल चुकी है राहत

प्रयागराज, संवाददाता। रामपुर स्थित मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के 38 भवनों को ध्वस्त करने के आदेश के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में दाखिल याचिका बुधवार को ट्रस्ट ने वापस ले ली। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को बताया गया कि इसी मामले में कमिशनरी कोर्ट में दायर अपील पर अंतरिम राहत (स्थगन आदेश) मिल चुकी है। ऐसे में हाईकोर्ट में दाखिल याचिका का उद्देश्य समाप्त हो गया है। रामपुर स्थित मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के 38 भवनों को ध्वस्त करने के आदेश के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में दाखिल याचिका ट्रस्ट ने वापस ले ली। याचिकाकर्ता की ओर से

अदालत को बताया गया कि इसी मामले में कमिशनरी कोर्ट में दायर अपील पर अंतरिम राहत (स्थगन आदेश) मिल चुकी है। ऐसे में हाईकोर्ट में दाखिल याचिका का उद्देश्य समाप्त हो गया है, जिसके चलते इसे वापस लेने की अनुमति मांगी गई। न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी और न्यायमूर्ति कुणाल रवि सिंह की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई की। मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट और अन्य की ओर से दाखिल याचिका में रामपुर विकास प्राधिकरण द्वारा 15 जुलाई 2026 को जारी उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें विश्वविद्यालय के 40 में से 38 भवनों को ध्वस्त करने के निर्देश दिए गए थे।

उरी की एक्ट्रेस संग हुआ 2.4 लाख का साइबर फ्राड

बॉलीवुड एक्ट्रेस और प्रोड्यूसर कीर्ति कुल्हारी साइबर फ्राड का शिकार हो गई हैं। ठगों ने उनके क्रेडिट कार्ड से मिनटों में 2.4 लाख रुपये उड़ा दिए। जानिए क्या है पूरा मामला। फोर मोर शॉट्स प्लीज और शेखर होम जैसी वेब सीरीज से मशहूर हुई एक्ट्रेस कीर्ति कुल्हारी साइबर क्राइम का नया शिकार बनी हैं। बिना किसी के साथ पासवर्ड या व्च शेयर किए, उनके बैंक अकाउंट से मिनटों में लाखों रुपये गायब हो गए। इस घटना के तुरंत बाद एक्ट्रेस ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। आखिर कीर्ति कुल्हारी के साथ यह फ्राड कैसे हुआ? बॉलीवुड एक्ट्रेस और प्रोड्यूसर कीर्ति कुल्हारी के साथ मुंबई में एक हैरान कर देने वाली साइबर ठगी की घटना सामने आई है। खबर के मुताबिक, कीर्ति कुल्हारी अंधेरी वेस्ट स्थित एक सिनेमाघर में थीं। तभी अचानक उनके मोबाइल पर बैंक से एक ट्रांजैक्शन का मैसेज आया। मैसेज देखते ही उनके होश उड़ गए क्योंकि एयरोमेक्सिको एयरलाइंस के नाम पर उनके क्रेडिट कार्ड से 2,525 अमेरिकी डॉलर (लगभग 2.4 लाख रुपये) कट चुके थे।

मिनटों में कटे 2.4 लाख रुपये

कीर्ति को जैसे ही इस संदिग्ध विदेशी ट्रांजैक्शन का पता चला, उन्होंने बिना देर किए तुरंत अपने बैंक के टोल-फ्री नंबर पर कॉल किया। हालांकि जब तक बैंक अधिकारी कार्ड को ब्लॉक करते, तब तक ठगों ने चार बड़े ट्रांजैक्शन कर लिए थे। इस तरह महज कुछ ही मिनटों के भीतर उनके क्रेडिट कार्ड से कुल 2,43,852 रुपये उड़ा लिए गए। बैंक ने एहतियात के तौर पर तुरंत उनका कार्ड ब्लॉक कर दिया। घटना के तुरंत बाद कीर्ति कुल्हारी ने मुंबई के वसोवा इलाके के पास स्थित अंबोली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। अब मुंबई पुलिस की साइबर सेल बैंक रेफरेंस नंबर और डिजिटल फुटप्रिंट्स की मदद से इन शातिर साइबर अपराधियों की तलाश में जुट गई है।

कई बार टीवी-टेबल तोड़ीं

घरेलू हिंसा के आरोप पर बोले श्वेता तिवारी के
एक्स पति राजा, कहा- नौकर समझ लिया था

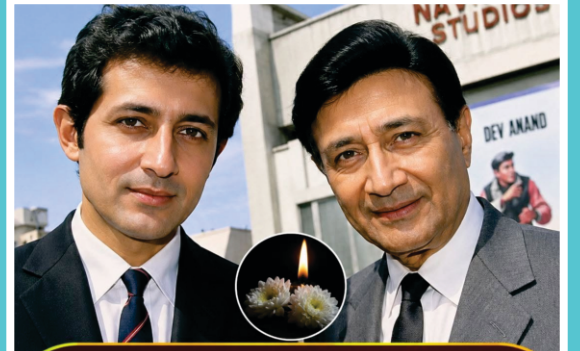
एंटरटेनमेंट डेस्क। श्वेता तिवारी और राजा चौधरी की शादीशुदा जिंदगी का अंत साल 2012 में हो गया था। प्रेम विवाह से शुरू हुआ रिश्ता एक बुरे मोड़ पर खत्म हुआ। हाल ही में राजा चौधरी ने खुद पर लगे घरेलू हिंसा के आरोपों पर चुप्पी तोड़ी है। चर्चित अभिनेत्री श्वेता तिवारी और राजा चौधरी के तलाक को कई साल हो गए हैं। इनके बीच अब कोई बातचीत नहीं। मगर, अप्रत्यक्ष रूप से दोनों के बीच जुबानी जंग अक्सर होती रहती है। हाल ही में श्वेता के एक्स पति राजा चौधरी ने एक इंटरव्यू में खुद पर लगे घरेलू हिंसा के आरोपों को झूठा बताया है। इसके अलावा उन्होंने



श्वेता पर बेवफाई का आरोप लगाया। यहां तक कि श्वेता के साथ रिश्ते में आई दरार की वजह उन्होंने अभिनेत्री की मां को बताया।

श्वेता की सफलता के साथ बिगड़ने लगी चीजें?

राजा चौधरी ने हाल ही में सिद्धार्थ कनन को दिए एक इंटरव्यू में कई बातें साझा कीं। उन्होंने अपनी निजी जिंदगी पर भी चर्चा की। उन्होंने शादीशुदा जिंदगी में रहते हुए श्वेता तिवारी पर चीटिंग के आरोप लगाए। वहीं, यह भी दावा किया कि श्वेता तिवारी ने उन्हें उनकी बेटी पलक से दूर किया। राजा चौधरी ने कहा कि शादी के कुछ साल बाद उनके घर बिटिया पलक का जन्म हुआ। वहीं, श्वेता तिवारी अपना करियर बनाने लगीं तो उन्होंने भी पूरा साथ दिया। वे श्वेता को सेट पर छोड़ने जाते और लेने जाते। कोई मेल ईगो नहीं था। राजा ने आगे कहा कि श्वेता को जब सफलता मिलने लगी तो उन्होंने पूरी तरह घर और बच्ची पर फोकस किया। उन्होंने खुद को एक तरह से होममेकर बना लिया था। मगर, वक्त के साथ चीजें बिगड़ती गईं।



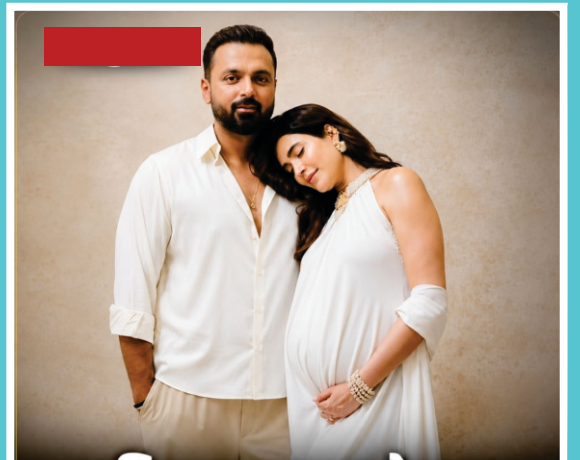
💔 "सिनेमा की एक और विरासत का अंत... पिता देव आनंद की राह पर चलते हुए लंदन में ही सुनील आनंद ने ली आखिरी सांस। नवकेतन फिल्म को संभालने वाला बॉलीवुड का एक और चमकता सितारा हमेशा के लिए बुझ गया।"



ब्रह्म मुहूर्त में गुंजा 'जय श्री राम'
रामायण का भव्य ट्रेलर आया
शानदार है VFX-म्यूजिक



कंगना और सौरव दास के विवाद में ऋतिक रोशन की हुई एंट्री!



करिश्मा तन्ना के घर गुंजी किलकारियां

अभिनेत्री ने बेटे को दिया जन्म

अफेयर

की अटकलों के बीच

शहनाज ने राघव जुयाल पर कही बड़ी बात

एंटरटेनमेंट डेस्क। अभिनेत्री शहनाज गिल और अभिनेता राघव जुयाल के अफेयर को लेकर काफी वक्त से अटकलें लगाई जा रही हैं। हाल ही में अपने रिश्ते पर शहनाज गिल खुलकर बोली हैं। साथ ही उन्होंने राघव को अगला शाहरुख खान तक बता दिया है। इन दिनों राघव जुयाल फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' की वजह से चर्चा में हैं। वहीं शहनाज गिल भी पंजाबी और बॉलीवुड फिल्मों में सक्रिय हैं। इन दोनों कलाकारों के बीच इश्क पनप रहा है, ऐसी में अपने गिल उन्होंने कहा कि राघव को लेकर क्या कहा?

फरीदून शहरयार के पॉडकास्ट में हाल ही में शहनाज गिल ने अपने करियर और जिंदगी को लेकर कई बातें साझा की हैं। इस दौरान जब उनसे राघव जुयाल को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, 'वो मेरा सबसे अच्छा दोस्त है। मुंबई में मेरा एक ही सहारा है, वो है राघव। वह मुंबई में मेरे लिए मम्मी-पापा की तरह है। अगर मुझे कुछ हो जाता है तो वो ही

मुझे हॉस्पिटल लेकर जाएगा।' शहनाज आगे कहती हैं, 'राघव ने ही मुझे एक्टिंग लाइन में आगे जाने के लिए मोटिवेट किया। वैसे आप देख लेना राघव जुयाल एक दिन शाहरुख खान बनेगा।'

राघव ने भी रखा था अपना पक्ष

एक खास बातचीत में राघव जुयाल ने भी शहनाज के बारे में बहुत कुछ कहा था। वह कहते हैं, 'देखिए पर्सनल लाइफ की चर्चा तो होगी। हम शोबिज में हैं। हम लोग फेमस हैं। आगे भी ऐसी बातें होंगी। लेकिन हम सब दोस्त हैं। शहनाज भी मेरी दोस्त है। मैं उसका बहुत अच्छा दोस्त हूँ। वह मेरे लिए परिवार जैसी है। मैं अपने दोस्तों और परिवार की हमेशा हिफाजत करता हूँ और हमेशा उनके साथ खड़ा रहूँगा। यह तो तय है।

कब उड़ी थी डेटिंग की अफवाहें

राघव जुयाल और शहनाज गिल ने सलमान खान की फिल्म शकिसी का भाई किसी की जान में साथ काम किया था। फिल्म के प्रमोशन के दौरान सलमान खान ने दोनों की केमिस्ट्री को लेकर मजाकिया अंदाज में टिप्पणी की थी। इसके बाद दोनों के डेटिंग की खबरों ने जोर पकड़ लिया था। हालांकि, बाद में राघव जुयाल ने इन चर्चाओं पर सफाई देते हुए कहा था कि सलमान खान ने सिर्फ मजाक किया था। उन्होंने स्पष्ट किया था कि उनके और शहनाज के बीच ऐसा कोई रिश्ता नहीं था। हाल ही में



दोनों राघव की बर्थ डे पार्टी में साथ दिखे। यहां पर जिस तरह से राघव ने शहनाज का ख्याल रखा, उसे देखकर फैंस को लगा कि इनके बीच जरूर कोई खिचड़ी पक रही है। लेकिन राघव और शहनाज एक-दूसरे को बस अच्छा दोस्त बताते हैं।

वर्ल्ड कप 2027 के लिए वेन्यू का किया एलान

12 शहरों में होगी 14 टीमों के बीच विश्व विजेता बनने की जंग

स्पोर्ट्स डेस्क। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने वर्ल्ड कप 2027 के लिए वेन्यू का एलान कर दिया है। विश्व कप अक्टूबर-नवंबर में खेला जाना है। इस बार का टूर्नामेंट तीन देशों में खेला जाएगा, जिसमें जिम्बाब्वे, नामीबिया और साउथ अफ्रीका शामिल है। इन तीन देशों के 12 शहरों में टूर्नामेंट का आयोजन होगा। आईसीसी ने वर्ल्ड कप के लिए 12 वेन्यू तय कर लिए हैं। इससे कुछ समय पहले ही आईसीसी ने टूर्नामेंट के फॉर्मेट के बारे में जानकारी दी थी। नया फॉर्मेट बिल्कुल अलग है। टूर्नामेंट में 14 टीमों हिस्सा लेंगी। पहली बार विश्व कप में सुपर सीरीज लाया गया है। विश्व कप में साउथ अफ्रीका के सबसे अधिक 8 शहरों को वर्ल्ड कप की मेजबानी के लिए चुना गया है।

वर्ल्ड कप के लिए वेन्यू का एलान किया
आईसीसी ने वर्ल्ड कप 2027 की मेजबानी के लिए 12 शहरों को चुना है। इसमें सबसे अधिक साउथ अफ्रीका के शहर शामिल किए गए हैं। साउथ अफ्रीका के 8 शहरों में वर्ल्ड कप खेला जाएगा। इसमें जोहान्सबर्ग, सेंचुरियन और केप टाउन जैसे बड़े स्थल भी शामिल हैं।

आईसीसी ने वर्ल्ड कप 2027 के लिए वेन्यू का एलान कर दिया है। इस बार का विश्व कप तीन देशों के 12 शहरों में खेला जाएगा।

साउथ अफ्रीका के इन शहरों में होगा वर्ल्ड कप
वांडरर्स स्टेडियम (जोहान्सबर्ग)
सेंचुरियन (स्थाने)
न्यूलैंड्स क्रिकेट ग्राउंड (केप टाउन)
किंग्समीड क्रिकेट ग्राउंड (डरबन)
सेंट जॉर्ज पार्क (गकेबरहा)
मंगांग ओवल (ब्लोमफोर्टेन)
बोलेंड पार्क (पार्ल)
बफेलो पार्क
जिम्बाब्वे के तीन स्टेडियम में होंगे मुकाबले
हरारे स्पोर्ट्स क्लब (हरारे)
क्वींस स्पोर्ट्स क्लब (बुलावायो)
फाले मोसी-ओआ-तुन्या अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट
स्टेडियम (विकटोरिया फॉल्स)
नामिबिया में एक ही ग्राउंड में खेले जाएंगे मैच
नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड (विंडहोक)



संन्यास पर विराट कोहली का छलका दर्द

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत के दिग्गज बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे के संन्यास पर उनके सबसे अच्छे दोस्त विराट कोहली भावुक हो गए हैं। कोहली ने रहाणे के संन्यास लेने के बाद भावुक पोस्ट किया और रहाणे को अपना पसंदीदा बैटिंग पार्टनर बताया। रहाणे लंबे समय से टीम इंडिया से बाहर चल रहे थे और इसके बाद अब उन्होंने संन्यास की घोषणा कर दी।

रहाणे के रिटायरमेंट पर उनके कई साथी खिलाड़ियों ने प्रतिक्रिया दी। हालांकि, कोहली की प्रतिक्रिया खास थी। अजिंक्य ने अपने करियर की पीक क्रिकेट विराट के साथ खेली। दोनों ने भारत को टेस्ट मैचों में कई यादगार जीत दिलाई। रहाणे विदेशी पिचों के बादशाह थे और उन्होंने भारत के बाहर टेस्ट मैचों में शानदार प्रदर्शन किया।

अजिंक्य रहाणे के रिटायरमेंट पर भावुक हुए विराट कोहली
रहाणे के संन्यास पर कोहली ने एक्स पर पोस्ट साझा किया। उन्होंने लिखा, जिसके आपके शानदार करियर के लिए बहुत-बहुत बधाई दोस्त। आपने भारतीय क्रिकेट के लिए कमाल किया और आपको इस पर गर्व होना चाहिए। स्लिप में सबसे सेफ जोड़ी और मेरे सबसे पसंदीदा टेस्ट बैटिंग पार्टनर। तुम्हारे अच्छे की दुआ करता हूं। भगवान तुम्हारा भला करे।

संन्यास लेते समय भावुक हुए रहाणे
रहाणे ने जब संन्यास लेने का एलान किया तो वे भावुक दिखे। उन्होंने कहा, जिंदगी की यही सच्चाई है कि जिसकी शुरुआत होती है, उसका अंत भी होता है। जब सही समय आता है, तो उसका सम्मान करना होता है और आपको आगे बढ़ना होगा। अपनी बल्लेबाजी में मैंने हमेशा ही टाइमिंग पर भरोसा किया है। मैंने इसके महत्व को समझा है। मुझे लगा कि अब क्रिकेट से संन्यास करने का सही समय है।

मां भी, रिसर्च स्कालर भी और अब कामनवेल्थ में पदक विजेता भी

स्पोर्ट्स डेस्क। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में महिला चक्का फेंक में कांस्य जीतने वाली सीमा कालीरामना की कहानी सिर्फ एक पदक की नहीं, बल्कि संघर्ष, मातृत्व और जज्बे की मिसाल है। मां बनने के बाद उन्होंने महज 11 महीने में वापसी की, पीएचडी की पढ़ाई जारी रखी और अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का गौरव बढ़ाया। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत की सीमा कालीरामना ने महिला चक्का फेंक स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया। लेकिन यह पदक सिर्फ 58.65 मीटर की एक सफल थ्रो की कहानी नहीं है। इसके पीछे मां बनने के बाद की वापसी, पढ़ाई और खेल के बीच संतुलन, अनगिनत संघर्ष और कभी हार न मानने का जज्बा छिपा है। ग्लासगो में जब सीमा का मुकाबला खत्म हुआ, तब उनके खाते में 58.65 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो दर्ज था। इसके बाद उन्होंने लगातार तीन प्रयास फाउल कर दिए। अब उनकी नजरें सिर्फ प्रतिद्वंद्वियों पर थीं। कैमरून की मोनी नोरा अटिम अगर अंतिम प्रयास में 58.65 मीटर से आगे निकल जाती तो सीमा का पदक छिन जाता। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जैसे ही अटिम का अंतिम प्रयास असफल रहा, सीमा के चेहरे पर मुस्कान लौट आई। वर्षों की मेहनत आखिरकार कॉमनवेल्थ गेम्स के कांस्य पदक में बदल चुकी थी। हरियाणा की 27 वर्षीय सीमा कालीरामना की वापसी भारतीय एथलेटिक्स की सबसे प्रेरणादायक कहानियों में गिनी

जा रही है। वह सिर्फ अंतरराष्ट्रीय स्तर की एथलीट ही नहीं हैं, बल्कि भिवानी स्थित चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय से शारीरिक शिक्षा में पीएचडी भी कर रही हैं। इसी दौरान उनकी जिंदगी में एक और बड़ी जिम्मेदारी आई। वह बेटे रुद्र की मां बनीं। कई खिलाड़ियों के लिए मातृत्व के बाद खेल में वापसी आसान नहीं होती, लेकिन सीमा ने हार नहीं मानी। उन्होंने बेटे के जन्म के सिर्फ 11 महीने बाद फिर से प्रतिस्पर्धी प्रशिक्षण शुरू किया। गर्भावस्था के बाद शरीर को पहले जैसी ताकत और तकनीक में वापस लाना आसान नहीं था, लेकिन उन्होंने लगातार मेहनत जारी रखी।

पति बने कोच, हर कदम पर दिया साथ
सीमा की इस वापसी में उनके पति रविंद्र (मोनु कालीरामना) की अहम भूमिका रही। पूर्व राष्ट्रीय स्तर के चक्का फेंक खिलाड़ी रविंद्र ही आज उनके कोच हैं।

अजिंक्य रहाणे ने क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया है। उनके संन्यास पर दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली की प्रतिक्रिया सामने आई है। कोहली रहाणे के संन्यास

उन्होंने सीमा को न सिर्फ तकनीकी रूप से तैयार किया, बल्कि मानसिक रूप से भी मजबूत बनाया। धीरे-धीरे सीमा ने अपनी पुरानी लय हासिल की और 2025 के राष्ट्रीय खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर संकेत दे दिया कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पदक जीतने के लिए तैयार हैं।

एक थ्रो जिसने बदल दी किस्मत
ग्लासगो में सीमा की शुरुआत अच्छी नहीं रही। पहला प्रयास फाउल रहा। दूसरे प्रयास में उन्होंने 57.32 मीटर का थ्रो किया, लेकिन तीसरे प्रयास में उन्होंने 58.65 मीटर की शानदार दूरी तय कर कांस्य पदक की मजबूत दावेदारी पेश कर दी। इसके बाद चौथा, पांचवां और छठा प्रयास फाउल रहा। अब सब कुछ प्रतिद्वंद्वियों के प्रदर्शन पर निर्भर था। आखिरी क्षणों का इंतजार बेहद तनावपूर्ण था, लेकिन अंत में 58.65 मीटर का वही एक थ्रो उन्हें पोंडिय म तक ले गया।

मां बनने के बाद नहीं छोड़ा सपना



दी नैक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक
बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन
ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा
हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर
गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी
गंगा टोला, निकट जानकी
बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर
पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित।
पिन:- 273003

UPHIN/2023/90814

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148, 9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोट:- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद
गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होंगे।

66

**रोहित शर्मा लंबे समय से मेरे पसंदीदा
खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। मुझे उनके
खेलने का तरीका और उनका स्टाइल
बहुत पसंद है।**



- जोस बटलर
क्रिकेटर



नीली नहीं,
हॉकी वर्ल्ड कप में
अब भगवा जर्सी में नजर आएंगी
भारतीय टीम